पंजाब के वाणिज्य मंत्री तीक्ष्ण सूद ने युवाओं से कहा

इंफोटेक देगा सही दिशा

आज समाज नेटवर्क

खरड़। रयात-बाहरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट द्वारा बनाए गए पंजाब इंफोटेक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का रस्मी उद्घाटन पंजाब के इंडस्ट्रीज व कॉमर्स मिनिस्टर तीक्ष्ण सूद ने शनिवार को किया। यह सेंटर युवाओं को ट्रेनिंग देकर सही दिशा प्रदान करेगा।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और ड्रग्स का बढ़ता इस्तेमाल पंजाब की सबसे बड़ी समस्या है। स्कूल जाने वालों में से सिर्फ 15 फीसदी ही हायर एजुकेशन के लिए जाते हैं, बाकी 85 फीसदी स्कूल ड्रॉपआउट की श्रेणी में आते हैं। यह सेंटर स्कूल ड्रॉपआउट, आईटीआई, पॉलीटेक्निक कर चुके युवाओं के साथ ही अनपढ़ों को भी ट्रेनिंग मुहैया कराएगा।

इन युवाओं को ट्रेनिंग देकर ऐसा बनाया जाएगा कि वह समाज के अहम संसाधन बन जाएंगे। ऐसे युवाओं को रोजगार के मौके सुनिश्चित कराए जाएंगे।

उद्घाटन करते मंत्री सूद और मौजूद अन्य। आज समाज

करिकुलम इंडस्ट्री जरूरत के मुताबिक

ग्रुप के ज्वाइंट एमडी संदीप कौड़ा का कहना है कि सेंटर का करिकुलम इंडस्ट्री की जरूरत के मुताबिक डिजाइन किया गया है। वहीं, इंडस्ट्री इसके लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी मुहैया करा रही है। कौड़ा ने बताया कि यहां एक से तीन साल तक का डिप्लोमा कराया जाएगा।स्पेसिफिक प्रोग्राम के तहत 100 दिन का एन्फील्ड प्रोग्राम, 3 माह का मारुति प्रोग्राम, 6 माह का वॉल्वो और फोक्सवेगन प्रोग्राम कराया जाएगा।

फैक्ट्स एंड फिगर्स

2015 तक ऑटोमोबाइल सेक्टर को 20 मिलियन वर्कर्स की जरूरत होगी। 2020 तक यह आंकड़ा 35 मिलियन तक पहुंच जाएगा। इनमें से 60 फीसदी की जरूरत स्कूल ड्रॉपआउट्स, आईटीआई और पॉलीटेक्निक किए युवा ही पूरी करेंगे। बाहरा ने बताया कि ऑटोमोटिव वर्ल्ड के टॉप 50 मेन्युफेक्चरर इंडिया में हैं। इन्हें सही मैनपावर नहीं मिल रहा है। यह सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसी गैप को पूरा करेगा।

इंडस्ट्री में स्किल्ड वर्कर की कमी

ग्रुप चेयरमैन गुरविंदर सिंह बाहरा ने कहा कि नेशनल स्किल डेवेलपमेंट कॉर्पोरेशन की रिपोर्ट के मुताबिक सिर्फ ऑटोमोटिव सेक्टर में ही 10 लाख स्किल्ड वर्कर्स की जरूरत है। इसमें फार्मा, आईटी और अन्य सेक्टर जोड़ दे तो यह संख्या और बढ़ जाती है। सैकड़ों प्लेसमेंट कैंप और जॉब फेयर आयोजित करने के दौरान महसूस किया कि इंडस्ट्री को सही मात्रा में स्किल्ड वर्कर नहीं मिल रहे। पंजाब के चीफ सेक्रेटरी एससी अग्रवाल ने कहा कि पंजाब सरकार की सर्टिफिकेशन से स्टूडेंट्स को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से जुड़ी इंडस्ट्री ही नहीं, बल्कि अन्य इंडस्ट्री में भी रोजगार के मौके मिलेंगे। एमडी पंजाब इंफोटेक आरके वर्मा, वॉल्वो-आयशर के सीईओ विनोद अग्रवाल, फोक्सवैगन सर्विसेस के हेड संजय पात्रा, मारुति सुजुकी हेड सर्विसेस-ट्रेनिंग ईश्वर सिंह, वॉल्वो-आयशर हेड सर्विसेस नंद कुमार,रॉयल एन्फील्ड के अधिकारी मौजूद थे।

चीन वर्ल्ड फैक्टरी है तो भारत वर्ल्ड ऑफिस: गेंग

चीन में व्यापार सम्बंधी संभावनाओं पर सीआईआई में सेमिनार

चंडीगढ़। चीन एक वर्ल्ड फैक्टरी है और भारत वर्ल्ड ऑफिस। चीन का मूलभूत ढांचा और भारतीयों की ब्रेन पावर व अंग्रेजी भाषा में पकड़, आदि बातें दोनों देशों को सहयोगी बना सकते हैं। उन्होंने बताया कि दोनों देशों के बीच का व्यापार वर्ष 2011 में 3500 बिलियन तक दर्ज किया जा रहा है जो अमेरिकी व्यापारिक आंकड़ों को पछाड़ने में सक्षम है। यह मानना है भारत में चीनी दूतावास स्थित आर्थिक एवं वाणिज्यक सलाहाकार पैंग गेंग का।

गेंग शनिवार को सीआईआई के सेमिनार में भारतीय उद्यमियों को संबोधित कर रहे थे। गेंग ने कहा कि भारतीय व्यापारियों को न्यौता और चीन को एक राजनीतिक गठबंधन, दोनों देशों को विश्व का सिरमौर बना सकते हैं। उन्होंने दोनों देशों की सरकारों से आह्वान किया कि वह अपनी नीतियों में बदलाव लाए जिससे विदेशी निवेशकों के लिए बेहतर माहौल तैयार करें। गेंग ने भारत के साथ व्यापार में अपनी वचनबद्धता दर्शाते हुए कहा कि उनका लक्ष्य 2015 तक एक सौ बिलियन अमेरिकी डालर का है। गेंग ने दोनों देशों के बीच वित्तीय आदान प्रदान के बीच पनपती मजबूती पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय बैंकों

सीआईआई के सेमिनार को सम्बोधित करता वक्ता। आज समाज

की चीन में 10 से अधिक शाखाएं है जबकि नेशनल विकास बैंक ऑफ चाईना और इंड्रस्टियल एंड कॉमिशियल बैंक ऑफ चाईना की भारत में कई वाणिज्य शाखाएं हैं। विभिन्न सत्रों में चीन में संचालक स्थापित करने की विधियां, बिजनेस कानून, टैक्स रेगुलेशंस, चीन की पंचवर्षीय योजनाएं, आर्थिक व सामाजिक सुधार, चीन में निवेश वातावरण, चीनी नीतियों पर विचार विमर्श किया गया।

नं.1 बनना लक्ष्य : विनोद

चंडीगढ़। वॉल्वो ग्रुप व आयशर मोटर्स लिमिटेड के संयुक्त उद्यम वीईसीवी का लक्ष्य भारी वाहनों के क्षेत्र में नंबर वन बनना है। भारतीय व्यावसायिक वाहनों के बाजार में अपने अनुभव तथा अंतरराष्ट्रीय तकनीक का इस्तेमाल करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं। आयशर के व्यावसायिक वाहनों की पूरी श्रृंखला के साथ-साथ कलपुर्जों व इंजीनियरिंग डिजायन तथा वॉल्वो ट्रकों का बिक्री व वितरण तंत्र मौजूद है। वीईसीवी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद अग्रवाल ने शनिवार को होटल ताज में पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने बताया कि हमारे पास दो ब्रांड्स के कमर्शियल वाहनों की श्रृंखला उपलब्ध है। आयशर के ट्रक व बसें पांच से 40 टन क्षमता की हैं, जबकि वॉल्वो के ट्रक भारी माल उठाने की क्षमता रखते हैं।